

901

801 (AF)

2019

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए। 1
- (i) जैनेन्द्र कुमार एक कवि के रूप में अधिक प्रसिद्ध हैं।
- (ii) 'ममता' के लेखक रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।
- (iii) जयप्रकाश भारती शुक्लयुग के कवि हैं।
- (iv) 'प्रबन्ध-पारिजात' के लेखक पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी हैं।

801 (AF)

1

P.T.O.

- (ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम बताइए : 1

- (i) 'इन्द्र-जाल'  
(ii) 'सेवा-सदन'  
(iii) 'दीप-दान'  
(iv) 'मिट्टी की ओर'

- (ग) किसी एक जीवनी-लेखक का नाम लिखिए। 1
- (घ) 'मैं इनसे मिला' किस विधा की रचना है? 1
- (ङ) संस्मरण-विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए। 1

2. (क) रीतिबद्ध शाखा के किसी एक कवि का नाम लिखिए तथा उसकी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए। 1+1=2
- (ख) प्रयोगवादी काव्य-धारा की दो विशेषताएँ बताइए। 2
- (ग) निम्नलिखित में से किसी एक काव्य-ग्रन्थ के कवि का नाम बताइए : 1

- (i) 'एक पतंग अनन्त में'  
(ii) 'पंचवटी'  
(iii) 'समर्पण'  
(iv) 'अनामिका'

801 (AF)

2

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :  $2+2+2=6$

(क) हमारी सारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा तत्त्व पर स्थापित रहा है। जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया गया है। अहिंसा का दूसरा नाम या रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है। पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग ही से निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है। श्रुति कहती है 'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः'। इसी के द्वारा हम व्यक्ति-व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज के बीच का विरोध, देश और देश के बीच का विरोध मिटाना चाहते हैं। हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्त्व से ओत-प्रोत है।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) पारस्परिक विरोध को कैसे मिटाया जा सकता है ?

(ख) मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें, भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीति-पात्र बना सकें। हमारे और हमारे मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए – ऐसी सहानुभूति, जिससे एक के हानि-लाभ को दूसरा अपना हानि-लाभ समझे। मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार के कार्य करते हों या एक ही रुचि के हों। इसी प्रकार प्रकृति और आचरण की समानता भी आवश्यक या वांछनीय नहीं है। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) सच्चा मित्र कैसा होना चाहिए ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए : 1+4+1=6

(क) गुरु पद बंदि सहित अनुरागा ।  
राम मुनिन्ह सन आयसु माँगा ॥  
सहजहिं चले सकल जग स्वामी ।  
मत्त मंजु बर कुंजर गामी ॥  
चलत राम सब पुर नर नारी ।  
पुलक पूरि तन भए सुखारी ॥  
बंदि पितर सुर सुकृत सँभारे ।  
जौं कछु पुन्य प्रभाउ हमारे ॥  
तौ सिवधनु मृनाल की नाई ।  
तोरहुँ राम गनेस गोसाई ॥

(ख) नभ में गर्वित झुकता न शीश,  
पर अंक लिए हैं दीन क्षार,  
मन गल जाता नत विश्व देख,  
तन सह लेता है कुलिश भार,  
कितने मृदु कितने कठिन प्राण !

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3

- (i) जयशंकर प्रसाद ✓  
(ii) पदमलाल पुत्रालाल बख्शी  
(iii) भगवत शरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1=3

- (i) रामनरेश त्रिपाठी  
(ii) सूरदास ✓  
(iii) श्यामनारायण पाण्डेय

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+3=4

भारतीय संस्कृति: तु सर्वेषां मतावलम्बिनां संगमस्थली ।  
काले-काले विविधा: विचारा: भारतीय-संस्कृतौ समाहिता: ।  
एषा संस्कृति: सामासिकी संस्कृति: यस्या: विकासे विविधानां  
जातीनाम्, सम्प्रदायानां, विश्वासानाञ्च योगदानं दृश्यते ।  
अतएव अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृति:, एका च  
राष्ट्रीयता । सर्वेऽपि वयं एकस्या: संस्कृते: समुपासका: एकस्य  
राष्ट्रस्य च राष्ट्रिया: । http://www.upboardonline.com  
अथवा

बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजय: ।  
उभयत्र समो वीर: वीरभावो हि वीरता ॥

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कंठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1=2

- (i) कवि: चातकं किं शिक्षयति ?  
(ii) अमुखोऽपि क: स्फुटवक्ता भवति ?  
(iii) प्रति कशाघात-पश्चात् चन्द्रशेखर: किम् अकथयत् ?  
(iv) श्री: केन वर्धते ?

8. निम्नलिखित में प्रयुक्त रस को पहचान कर लिखिए : 2

(क) मुनिहि मोह मन हाथ पराएँ ।

हँसहि संभु गन अति सचु पाएँ ॥

जदपि सुनहि मुनि अटपटि बानी ।

समुझि न परइ बुद्धि भ्रम सानी ॥

अथवा

करुण रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए ।

(ख) निम्नलिखित में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए : 2

लता भवन तें प्रगट भे, तेहि अवसर दोउ भाइ ।

निकसे जनु जुग बिमल बिधु, जलद पटल बिलगाइ ॥

अथवा

उपमा अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए ।

(ग) सोरठा अथवा रोला छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं *तीन* के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1+1+1=3

(i) अ

(ii) सु

(iii) सह

(iv) अप

(v) अभि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1+1=2

(i) त्व

(ii) पन

(iii) वट

(iv) ता

(v) आई

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) नीलमणि

(ii) बारहमासा

(iii) आना-जाना

(iv) चक्रपाणि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2

(i) दही

(ii) पुरूसारथ

(iii) कीरति

(iv) गुनी

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1+1=2

(i) तालाब

(ii) गाय

(iii) सर्प

(iv) आकाश

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 1+1=2

- (i) कवि + आदि
- (ii) एक + एकम्
- (iii) महा + ओघः
- (iv) इति + उक्तम्

(ख) निम्नलिखित शब्दों के चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन के रूप लिखिए : 1+1=2

- (i) मधु अथवा नदी
- (ii) तद् (स्त्रीलिङ्ग) अथवा युष्मद्

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

- (i) पश्यथः
- (ii) अपचतम्
- (iii) हसेः

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

- (i) हमें अपने देश से प्रेम करना चाहिए ।
- (ii) वह घर कब जायेगा ?
- (iii) अधिकार के साथ कर्तव्य भी जुड़ा है ।
- (iv) भारत एक महान देश है ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध रचना कीजिए : 6

- (i) किसी देखे हुए मेले का वर्णन
- (ii) देश-प्रेम
- (iii) बेरोज़गारी और उसे दूर करने के उपाय
- (iv) सड़क-दुर्घटना – कारण और निवारण

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

- (क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।  
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कौन-सी घटना आपको सर्वाधिक प्रभावित करती है ? संक्षेप में लिखिए ।
- (ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथासार संक्षेप में लिखिए ।  
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ, संक्षेप में लिखिए ।
- (ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।  
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

- (घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के छठे सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।
- (ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'दौलत' की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए ।
- (ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की जो घटना आपको सबसे अधिक प्रभावित करती है, उसे संक्षेप में लिखिए ।
- (ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथा सार संक्षेप में लिखिए ।
- (च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की किस घटना से आप विशेष-प्रभावित होते हैं ? संक्षेप में लिखिए ।
- (ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
- (छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।
- (ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के 'द्यूत सभा में द्रौपदी' सर्ग का सारांश लिखिए ।
- (ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के राजभवन सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।
- (ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'भरत' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- (झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'हनुमान' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'रामविलाप और सौमित्रि का उपचार' सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।